भारत सरकार
गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग
GOVT. OF INDIA
MINISTRY OF HOME AFFAIRS, DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू
TOWN OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION COMMITTEE, JAMMU
संयोजक : सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, नहर मार्ग, जम्मू तवी-180 001 (भारत)
CONVENOR: CSIR- Indian Institute of Integrative Medicine, Canal Road, Jammu Tawi – 180 001 (INDIA)
दूरभाष : (0191) 2585006-13; फैक्स (0191) 2586333, 2585026. Phones : (0191) 2585006-13; Fax : (0191) 2586333, 2585026.
E-mail: ramasharma@iiim.ac.in; Website www.tolicjammu.org

संख्या/No: नराकास/जम्मू/बैठक/2018-राभा. दिनांक/Dated: 10.12.2018

सेवा में,

नराकास, जम्मू के केन्द्रीय कार्यालय के अध्यक्षगण/हिन्दी अधिकारी/हिन्दी अनुवादक।

विषयः- **दिनांक 22 नवम्बर, 2018 को हुई नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू की बैठक के कार्यवृत्त।**

Subject:- Minutes of the TOLIC, Jammu meeting held on 22nd November, 2018.

महोदय/महोदया,

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू की बैठक दिनांक 22 नवम्बर, 2018 को पूर्वाह्न 11.00 बजे सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू के कॉन्फ्रेंस हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक के कार्यवृत्त की प्रति संलग्न है। कृपया बैठक में लिए गये निर्णयों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित् करवाएं।

कार्यवृत्त पर यदि किसी सदस्य को कोई सुझाव देना हो अथवा उनकी आपत्ति हो तो वह अपने सुझाव कार्यालय को दो सप्ताह के भीतर प्रेषित करें।

Sir/Madam,

The minutes of the meeting of 'Town Official Language Implementation Committee (TOLIC), Jammu' held on 22nd November, 2018 at 11.00 AM in the Conference Hall of CSIR-IIIM, Jammu are enclosed herewith. You are requested to initiate necessary action on the decisions taken in the said meeting accordingly.

Objections/suggestions, if any, may be intimated to this office within two weeks.

धन्यवाद/Thank you

भवदीय,

(सँजय शर्मा)
सदस्य-सचिव

संलग्नः- यथावर्णित बैठक के कार्यवृत्त।

प्रतिः-

1. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू के कार्यालय प्रमुख।
2. उपनिदेशक (कार्यान्वयन), उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय-1 (दिल्ली), ए-149, सरोजनी नगर, नई दिल्ली-110023
3. संयुक्त सचिव (प्रशासन), वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, अनुसंधान भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली-01
4. सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, लोक नायक भवन, खान मार्केट, नई दिल्ली-110003
5. भारत की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के अध्यक्ष ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू
सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू

संख्याः नराकास/जम्मू/बैठक/2018/राभा. **दिनांकः 26.11.2018**

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू की अर्द्धवार्षिक बैठक दिनांक 22 नवम्बर, 2018 को पूर्वाह्न 11.00 बजे सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू के कान्फ्रेंस हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक के कार्यवृत्त इस प्रकार से हैः

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू की अर्द्धवार्षिक बैठक दिनांक 22 नवम्बर, 2018 (बृहस्पतिवार) को पूर्वाह्न 11.00 बजे सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक एवं नराकास, अध्यक्ष श्री रजनीश आनन्द ने की। इस अवसर पर श्री एरदन एक्का, कमांडेंट, ग्रुप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस, बनतालाब, जम्मू; डॉ. गोपेश कुमार शर्मा, अनु. अधिकारी, क्षेत्रीय आयुर्वेदीय मूत्रविकार अनुसंधान संस्थान, बनतालाब, जम्मू; प्रो. शरद चन्द्र, सहाचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम्, जम्मू; श्री पंकज बहादुर, नियंत्रक प्रशासन, भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू एवं नराकास के केन्द्रीय कार्यालयों के सभी कार्यालयाध्यक्ष/राजभाषा अधिकारी/हिन्दी अधिकारी/हिन्दी अनुवादक तथा प्रिन्ट व इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी संवाददाता तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सर्वप्रथम बैठक में उपस्थित कार्यालय प्रमुखों एवं उपस्थित अधिकारियों का स्वागत श्री सँजय शर्मा, कार्यवाहक हिन्दी अधिकारी एवं सचिव, नराकास, जम्मू ने किया। उन्होंने अपने स्वागत संबोधन में सभी मंचस्थ एवं अन्य उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए मंचस्थ अध्यक्ष महोदय को आमंत्रित किया कि वे कार्यक्रम व बैठक का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत् शुभारंभ करें तथा मंच पर बैठे सभी अधिकारियों से भी निवेदन किया कि वे भी अध्यक्ष महोदय का साथ दें। दीप प्रज्ज्वलन हेतु श्रीमती सुनीता कुमारी ने सहायता की। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्रवाई आरम्भ की गई। तदुपरान्त बैठक में प्रथम अप्रैल, 2018 से 30 सितम्बर, 2018 के दौरान

सभी सदस्य कार्यालयों के हिन्दी कार्यान्वयन संबंधी प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा प्रस्तुत की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य केन्द्रीय कार्यालयों में हिन्दी का उत्तरोत्तर विकास करना तथा राजभाषा हिन्दी की प्रगति की ओर अग्रसर करने की दिशा में रहा ।

तत्पश्चात् बैठक में उपस्थित सदस्यों के परिचय के साथ ही द्वितीय अर्द्धवार्षिक बैठक की कार्रवाई आरम्भ हुई। सदस्य-सचिव ने गत बैठक के कार्यवृत्त पर कोई आपत्ति एवं प्रतिक्रिया न मिलने पर अध्यक्ष महोदय के अनुमोदन एवं सर्वसम्मति से गत बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की घोषणा की।

तदुपरान्त प्रथम अप्रैल, 2018 से 30 सितम्बर, 2018 के दौरान प्राप्त दोनों प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा का संक्षिप्त ब्यौरा सदस्य कार्यालयों के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें विभिन्न कार्यालयों से प्राप्त प्रगति रिपोर्टें की स्थिति इस प्रकार है:-

1. कार्यालय पुलिस उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, रेंज, जम्मू
2. कार्यालय कमाण्डेंट-166 बटालियन, के.रि.पु. बल, न्यू.पी.सी.आर कैंप, सिदड़ा, जम्मू
3. कार्यालय पुलिस उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल, हीरानगर (नगरोटा), जम्मू
4. कार्यालय पुलिस उप महानिरीक्षक, रेंज हीरानगर, के.रि.पु.बल, नगरोटा, जम्मू
5. कार्यालय महानिरीक्षक, जम्मू सेक्टर, के.रि.पु. बल, बनतालाब, जम्मू
6. 23 विंग, वायु सेना द्वारा 56 सेना डाकघर
7. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू
8. कार्यालय लेखा अधिकारी (परि.), सम्पर्क, द्वारा 56 सेना डाकघर
9. कार्यालय क्षेत्रीय श्रमायुक्त (के.), जम्मू
10. कार्यालय महालेखाकार (ले.व.ह.), जम्मू व कश्मीर, जम्मू
11. अपर मंडल रेल प्रबंधक, उत्तरी रेलवे, जम्मू तवी
12. सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, केनाल रोड, जम्मू
13. कैंटीन भंडार विभाग, क्षेत्रीय डिपो, बी.डी. बाड़ी, बड़ी ब्रह्मणा, जम्मू
14. कार्यालय रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक, उत्तरी कमान, नरवाल पाई, सतवारी, जम्मू
15. केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, गाँधी नगर, जम्मू
16. केन्द्रीय विद्यालय नं 1, अखनूर
17. केन्द्रीय विद्यालय नं 2, अखनूर
18. निदेशालय रक्षा संपदा, उत्तरी कमान, सतवारी, जम्मू छावनी
19. एन.सी.सी.निदेशालय, जम्मू व कश्मीर, जम्मू
20. जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू
21. कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा), जम्मू व कश्मीर, जम्मू
22. कार्यालय महानिरीक्षक (चिकित्सा), चिकित्सा अधीक्षक, संयुक्त चिकित्सालय, के.रि.पु.बल, बनतालाब, जम्मू
23. कार्यालय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, जम्मू एवं कश्मीर सर्किल, जम्मू
24. कार्यालय कमाण्डेंट-116 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, मामला, पहलगाम
25. सेक्टर मुख्यालय, के.रि.पु. बल, बनतालाब, जम्मू
26. क्षेत्रीय आयुर्वेदीय मूत्रविकार अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्र नगर, बनतालाब, जम्मू
27. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, डॉ. अम्बेडकर रोड, जम्मू
28. प्रसार भारती, दूरदर्शन केन्द्र, जम्मू
29. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, ट्रांसपोर्ट नगर, जम्मू

30. पुलिस उप महानिरीक्षक (परि.), के.रि.पु. बल, जम्मू नार्थ, छन्नी हिम्मत, जम्मू
31. क्षेत्रीय चारा उत्पादन एवं मत्स्य पालन विभाग, गाँधी नगर, जम्मू
32. कार्यालय छावनी परिषद, जम्मू
33. क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केन्द्र, मीरासाहिब, जम्मू
34. कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, उत्तरी कमान, नरवाल पाईन, सतवारी, जम्मू
35. रेशम अनुकूलन एवं परीक्षण गृह, वस्त्र परीक्षण प्रयोगशाला, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, मीरासाहिब, जम्मू
36. केन्द्रीय विद्यालय, दोमाना, जम्मू
37. रिजनल आउटरीच ब्यूरो, मिडिया सेन्टर, रेडियो कालोनी, पंजतिरथि, जम्मू
38. केन्द्रीय विद्यालय, नगरोटा, जम्मू
39. जनगणना कार्य निदेशालय, जम्मू एवं कश्मीर, जम्मू
40. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम्, श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल, जम्मू

मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा के दौरान कार्रवाई सुनिश्चित् करवाने के उद्देश्य से सदस्यों को निम्नलिखित जानकारी दी।

1. जहां भाषा प्रशिक्षण, टंकण प्रशिक्षण, आशुलिपि प्रशिक्षण के लिए शेष हैं - सभी कार्यालध्यक्षों से अनुरोध है कि वे प्रशिक्षण के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाएं और इन्हें शीघ्रातिशीघ्र प्रशिक्षण दिलाकर लक्ष्य की प्राप्ति करें।
2. धारा 3(3) के अनुपालन में सदस्य कार्यालयों की रिपोर्ट की समीक्षा के आधार पर पता चला है कि लगभग सभी कार्यालयों में धारा 3(3) का काफी हद तक अनुपालन किया जा रहा है। उपर्युक्त सभी कार्यालय प्रमुखों से अनुरोध है कि धारा 3(3) का अनुपालन शतप्रतिशत सुनिश्चित् कराएं।
3. <u>हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिन्दी में देना (100 प्रतिशत)</u>
   प्राप्त रिपोर्टों में पाया गया है कि अधिकांश कार्यालयों द्वारा हिन्दी में प्राप्त पत्रों के उत्तर अनिवार्यत: हिन्दी में ही दिए गए है।
4. <u>मूल पत्राचार (लक्ष्य 55 प्रतिशत)</u>
   प्राप्त रिपोर्टों की समीक्षा के दौरान पाया गया कि सभी कार्यालयों में हिन्दी मूल पत्राचार की स्थिति सन्तोषजनक रही। कुछेक कार्यालयों में मूल पत्राचार लक्ष्य 55 प्रतिशत से नीचे रहा। ऐसे कार्यालयों से अनुरोध किया गया कि वह भी इस दिशा में अपने योगदान को बढ़ाए ताकि न्यूनतम 55 प्रतिशत या उससे अधिक के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।
5. नियमित रूप से कार्यशालाओं का आयोजन लगभग सभी कार्यालय कर रहे हैं। इनका यह प्रयास सराहनीय है। यह अनुरोध किया गया है कि भविष्य में भी प्रत्येक तिमाही में हिन्दी कार्यशालाएं अवश्य आयोजित करवाई जाएं।

6. पत्र पत्रिकाओं का प्रकाशन - राजभाषा कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त वातावरण बनाने एवं अधिकारियों/कर्मचारियों में सृजनात्मकता का विकास करने के लिए पत्र पत्रिकाएं प्रकाशित हुई हैं, इनका यह प्रयास सराहनीय है।

7. हिन्दी पदों की स्थिति - नराकास के सदस्य-कार्यालयों से यह भी अनुरोध किया गया कि हिन्दी से सम्बन्धित सभी रिक्त पदों को भर लिया जाए क्योंकि रिक्त पदों का प्रभाव राजभाषा कार्यान्वयन पर प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से पड़ता है। मानव संसाधन के अभाव में राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन अपेक्षित गति प्राप्त नहीं कर पाता। अतः जिन कार्यालयों में हिन्दी पद कई वर्षों से रिक्त पड़े है उन्हें इस सम्बन्ध में शीघ्र कार्यवाही कर उन पदों को भर लेना अनिवार्य है।

8. सभी कार्यालय प्रमुखों को अवगत किया गया कि अंशदान राशि समय रहते प्राप्त नहीं हो रहे है। जिससे आगामी बैठक में पत्रिका प्रकाशन एवं शील्ड इत्यादि हेतु कार्य मुश्किल होगा। अतः बड़े कार्यालय चार हजार की वार्षिक अंशदान राशि और जो छोटे-छोटे कार्यालय कम से कम दो हजार रूपये वार्षिक अंशदान के रूप में नराकास, जम्मू के खाते में अथवा चैक द्वारा भिजवाएं। इस विषय में सदस्य नराकास सभी कार्यालयों को पत्र द्वारा सूचित भी करेंगे।

राजभाषा नीति कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित पर कार्रवाई सुनिश्चित् करवाएंः-

1. सदस्य सचिव, नराकास ने बैठक में सभी सदस्य कार्यालयों को बताया कि जम्मू नगर में तीन नराकास समितियां बन गई हैं जिसमें नराकास, जम्मू के अन्तर्गत 78 कार्यालय आते हैं। कृपया तिमाही प्रगति रिपोर्ट गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्या-1(दिल्ली), ए-149, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली को ऑनलाइन भेजी जाएं और उसकी एक प्रति नराकास, कार्यालय, को भी भिजवाना सुनिश्चित करवाएं।
2. नराकास की बैठक में कार्यालयाध्यक्ष भाग लें। संबंधित राजभाषा अधिकारी/अनुवादक प्रधान अधिकारियों की मदद के लिए बैठक में आ सकते हैं।
3. सभी कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन समितियां कार्यालय अध्यक्ष की अध्यक्षता में गठित की जाएं और इसकी बैठकें प्रत्येक तिमाही में नियमित रूप से की जाए और कार्यवृत्त नराकास कार्यालय को भी भिजवाएं।
4. श्री प्रियंजन, हिन्दी अधिकारी, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू ने ई-टूल्स के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि जो ई-मेल करते हैं तो क्या वे पत्र धारा 3(3) के अन्तर्गत आता है कि नहीं। चर्चा के दौरान सदस्य कार्यालयों के सदस्यों ने बताया कि पत्रों का जवाब द्विभाषी रूप में दिए जाएं।

5. क्या केन्द्रीय कार्यालयों के साथ हिन्दी भाषा का पत्राचार माना जाए या राज्य सरकार के अधीन कार्यालयों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है? चर्चा के बाद बताया गया कि हमें केवल केंन्द्रीय कार्यालयों तक ही सीमित रहना है।
6. प्रशिक्षण कार्यक्रम सत्र अगस्त, 2018 से जनवरी, 2019 तक के जारी किया गया है। जोकि हिन्दी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, बबलिया, गंग्याल, जम्मू ।
7. श्री संतोष कुमार, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, गंग्याल, जम्मू ने प्रशिक्षण पर बल दिया। अभी तक कुल पाँच कार्यालयों से प्रशिक्षण के लिए निवेदन आए हैं। बाकी के कार्यालयों को भी अपने अधिकारियों को प्रशिक्षण दिलवाने के लिए आगे आना चाहिए।
8. श्री गोपेश कुमार शर्मा, अनु. अधिकारी, क्षेत्रीय आयुर्वेदीय मूत्रविकार अनुसंधान संस्थान, बन तालाब, जम्मू ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें हिन्दी के कार्यान्वयन के लिए अपनी मानसिकता बदलनी होगी और अपने कार्यालयों में हिन्दी के कार्यक्रमों को समय-समय पर करवाते रहना होगा।
9. डॉ. शरद चन्द्र शर्मा, सहाचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम्, जम्मू ने हिन्दी रोमन लिपि के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि आवश्यकता इस बात की है हिन्दी भाषा को वास्तव में हिन्दी लिपि या देवनागरी ही कहें। हिन्दी भाषा की टाइपिंग करते समय बोलने की शैली की वजाए देवनागरी की तरह ही टाइप करें। उन्होंने देवनागरी लिपि में हिन्दी के क्रिया-कलापों को सुचारू रूप से करने पर बल दिया। लोगों द्वारा हिन्दी भाषा को अपनाएं जाने और सम्मान के साथ बोली की वैसी ही आवश्यकता है। जैसे विदेशों में योग को गौरवपूर्ण बता कर अपनाया जा रहा है। या गया है।

10. श्री एरदन एक्का, कमाण्डेंट, ग्रुप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, बनतलाब, जम्मू ने अपने ग्रुप केन्द्र में हिन्दी भाषा के बारे में बल दिया।

संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक एवं नराकास अध्यक्ष श्री रजनीश आनन्द जी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में जम्मू नगर के सभी केन्द्रीय कार्यालयों के उपस्थित कार्यालय प्रमुख एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों का संस्थान एवं नराकास की ओर से सबका हार्दिक अभिनन्दन किया। समिति के सभी सदस्य कार्यालयों के कार्यालयाध्यक्षों/हिन्दी अधिकारियों/हिन्दी अनुवादकों/नोडल अधिकारियों एवं राजभाषा अधिकारियों से

अनुरोध किया कि हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट समय से भिजवाएं ताकि हिन्दी के क्रिया-कलापों को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने यह भी निवेदन किया कि सभी अपने कार्यालयों से अंशदान राशि भिजवाएं ताकि पत्रिका 'ज्ञानवार्ता' का समय से प्रकाशन किया जा सके। बैठक के अन्त में 23 सदस्य कार्यालयों को हिन्दी के कार्यान्वयन में विशिष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।

अन्त में श्री पंकज बहादुर, नियंत्रक प्रशासन, भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू ने प्रशासन से संबंधित आदेश/अनुदेश के बारे में विस्तार से बताया और धन्यवाद ज्ञापित किया।

सँजय शर्मा
सदस्य-सचिव, नराकास, जम्मू

श्री रजनीश आनन्द
कृते अध्यक्ष
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जम्मू